

वायुः. III. Flatulence : q.v. IV. Breath : श्वासः.

WIND (v.i.) : I. To bend : वक्रं or कुटिलं गच्छति (गम्, c. 1.) or सर्पति (सृप्, c. 1.), w. ing : v. Crooked. II. To turn : q.v. : आवर्तते (वृत्, c. 1.).

WIND (v.t.) : I. To turn, twine : आवर्तयति (c. of वृत्). II. To blow : q.v. : पूरयति (पूर, c. 10.).

WIND UP : I. Lit. : सम्पुटीकरोति. II. To conclude : उपसंहरति, (ह, c. 1.).

WINDFALL : I. Lit. : \*वायुपातः. II. Fig. : आकस्मिकसमागमः and sim. comp.s.

WINDING (subs.) : वक्रम् : v. Bend, crookedness.

WINDING-SHEET : आच्छादनम् : v. Shroud, cover.

WINDLASS : \*उत्तोलनयन्त्रम्, उत्तोलनी.

WINDMILL : \*वायुचलं चक्रम्.

WINDOW : (1) वातायनम्, *taking to the w. s* : वातायनसंश्रित (f. ता), R. vi. 24. ; (2) गवाक्षाः, *the w.s filled with the faces* : व्यासान्तरा मुखैस्तासां गवाक्षाः R. vii. 11. ; (3) जालः (ली, लम्) *another looking through the w.* : जालान्तरप्रेषितदृष्टिरन्या, R. vii. 9.

WINDWARD (adj.) : वाताभिमुख (f. ली) and sim. comp.s.

WINDY : (1) वातल (f. ली) ; (2) वातमय (f. यी) and sim. comp.s.

WINE : (1) मद्यम्, *to drink w.* : मद्यं पिबति ; *to take w.* : मद्यं सेवते, Ni. ; *new w.* : नवं मद्यम्, Sr. ; *w. -pot* : मद्यभाण्डम् ; P. ; *destroying the smell of w.* : मद्यगन्धनाशनम्, Bha. ; (2) मदिरा, *w. -tasting* : मदिरास्वादः, Si. ; (3) मधु (poet.), *sweet w.* : स्वादु मधु, Si. ; (4) सुरा (=spirit), *to make w.* : सुरां करोति, Mah. ; (5) आसवः (=liquor), *taking of w.* : आसवसेवनम्, D.

WINE-BIBBER : (1) मद्यपः ; (2) मद्यपायिन् (m.) ; (3) सुरापः.

WINE-SELLER : शौण्डिकः (f. की, the Śuri caste).

WING (subs.) : I. Lit. : (1) पक्षः, *protected me with his own w.s* : स्वपक्षाभ्यां मामरक्षत्, Vi. v. 5. ; *stretched the w.s and flew up to heaven* :

वितत्य पक्षौ नम उत्पपात, Mah. i. 25. 17. ; *root of a w.* : पक्षतिः, N. ii. 2. ; (2) पतत्रम् ; (3) गरुत् (m. : rare). Ph. : *on the w.* : डीयते : v. To fly. II. Fig., as of an army : पक्षः, *who formed side-w.s and w.s* : के ते प्रपक्षौ पक्षौ वा, Mah. viii. 46. 6. Ph. : *under the w.s of* : expr. by : आश्रितः (ता, तं).

WINGED : (1) पक्षिन् (f. णी) ; (2) पक्षवत् (f. ती) ; (3) पतत्रिन् (f. णी) ; (4) पक्षयुक्त (f. क्ता) ; etc.

WINK (subs.) : Of the eye : निमेषः. II. Hint : (1) नेत्रसंकेतः ; (2) अक्षिसंज्ञा, and sim. comp.s.

WINK (v.) : I. Of the eye : (1) निमिषति (मिष्, c. 6.) ; (2) निमीलति (मील्, c. 1.=close). II. To make a sign : नेत्रेण सङ्केतं ददाति (दा c. 3.) or संज्ञां करोति. W. at, i. e. connive : उपेक्षते (ईक्ष्, c. 1.).

WINNER : (1) जयिन् (f. णी), Mit. : v. Victor ; (2) लब्ध (f. ऋत्री=gainer) ; (3) by verb.

WINNING : I. Subs. : (1) by verb : v. To win ; (2) लाभः (=profit) ; (3) अर्जितम् (=earning). II. Adj. : हृदयहारिन् (f. णी) : v. Charming.

WINNOW : I. Lit. : शोधयति, वि- (c. of शुष्) : v. To cleanse, purify. Ph. : *w. ing fan* : सू(शू)र्ष (mn.). II. Fig. : to sift, examine : q.v.

WINNOWER : (1) शोधक (f. धिका) ; (2) पावक, -निः (f. विका).

WINNOWING-FAN : सू(शू)र्ष (mn.), D. vi. ; (2) प्रस्फोटनम् (rare).

WINTER (subs.) : I. The season : (1) हेमन्तः (Nov.-Jan.) ; (2) शिशिरः (Jan.-March) ; (3) हिमागमः, Si. ; (4) तुषारकालः, Ki. ; and sim. comp.s. II.=year : शरद् (f.=autumn), *ten thousand w.s passed* : शरदामयुतं ययौ, R. x. 1.

WINTER (v.) : हेमन्तं गमयति (c. of गम्), नयति (नी, c. 1.), etc. : v. To pass.

WINTERY, WINTRY : I. Lit. : expr. by comp. II. Cold : q.v. : शीत (f. ता).

WIRE : I. Subs. : (1) तन्त्रम्(त्री) ; (2) तारः. II. Verb : ताडिततन्त्रेण प्रेषयति (c. of इष्) : v. To send.